उड़ान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संरक्षक : प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी
प्रधान संपादक : प्रो. एच . पी . शुक्ल
संपादक: डॉ. राजेन्द्र कैड़ा
शिल्प एवं संरचना : विनीत पौडियाल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का त्रैमासिक न्यूज़ लेटर

जनवरी- अप्रैल 2022 (आजादी का अमृत-महोत्सव अंक) www.uou.ac.in

कुलपति की कलम से

प्रिय पाठकों ,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर 'उड़ान' के भारत अमृत महोत्सव को समर्पित नए अंक के साथ विश्वविद्यालय की सक्रिय एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली आप सब के समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। इस समयांतराल में विश्वविद्यालय की प्रत्येक इकाई ने अपने कार्य-कर्तव्यों का निर्वहन सम्पूर्ण निष्ठा से संपादित किया है। विश्वविद्यालय का वरिष्ठतम सदस्य होने की स्थिति में मुझे स्वयं इस तथ्य का भी पूर्ण अनुभव है कि प्रदेश भर में प्रसरित हमारे कार्यक्षेत्र की सीमा सीमित मानव एवं भौतिक संसाधनों से भी आबद्ध है जिसके चलते कभी-कभी कुछ त्रुटियों का रह जाना भी अवश्यंभावी है। परन्तु विश्वविद्यालय का यह सामूहिक प्रयास रहता है कि समुचित समय-परिधि के भीतर शिक्षार्थियों एवं अन्य सहयोगियों की सभी समस्याओं अथवा शंकाओं का निराकरण किया जा सके। मैं आप सभी को यह विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि विश्वविद्यालय की सभी समस्याओं का यथा समय सफल निराकरण किया जाता रहेगा।

इस अंक को देखने के पश्चात आप को स्वयं भी यह अनुभव होगा कि महामारी के कठिनतम दौर से निकल कर भारत राष्ट्र की प्रगतिगामी कार्यप्रणाली के अनुरूप ही हमारा विश्वविद्यालय भी स्वयं तथा स्वयं के सहयोगियों को सफलता के नवीन स्तरों तक पहुँचाने हेतु प्रतिबद्ध है। हमारे सभी अकादमिक विभाग एवं कार्यालयी अनुभाग इस स्वर्णिम सोपान तक अपनी पहुँच बनाने हेतु कार्य कर रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री के सक्षमशील नेतृत्त्व की निर्देशिका के प्रतिनिधि के रूप में प्रदेश की युवा एवं कुशल प्रसाशन क्षमता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हेतु सदैव ही सकारात्मक एवं आश्वस्तकारी सिद्ध हुई है। इसी आधार पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति और प्रेरणा के स्रोत के रूप में अपने शिक्षार्थियों और सहयोगियों की आकांशाओं के अनुरूप कार्य करता रहा है तथा निरंतर करता रहेगा।

मैं 'उड़ान' के नवीन अंक का स्वागत करता हूँ तथा विश्वविद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय उत्तराखण्ड , जय भारत।

(प्रोफ़ेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी)
कुलपति

संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग द्वारा एकदिवसीय वेब-कार्यशाला

गत 22 जनवरी'22 को संस्कृत-ज्योतिष विभाग एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास उत्तराखण्ड प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में 'चरित्रनिर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास में पंचकोशीय संकल्पना'विषयक एकदिवसीय वेब-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0एस0 नेगी ने की उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि चरित्र निर्माण से संबंधित शिक्षा को पाठ्यक्रम में लाने की आवश्यकता है और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस विषय पर डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्स को प्रारंभ करेगा। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर रेनू प्रकाश ने किया। विषय-प्रर्वतन श्री जगराम, क्षेत्रीय संयोजक, शि0 सं0 उ0 न0,पश्चिमी उत्तर क्षेत्र ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का लक्ष्य ही चरित्र निर्माण करना एवं व्यक्तित्व का विकास करना है जिसको हम पंचकोश की संकल्पना से भलीभांति प्राप्त कर सकते हैं। यदि चरित्रवान मनुष्य का निर्माण होगा तो राष्ट्र का निर्माण स्वयं ही होगा।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफे. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा की आचार की शुद्धता वेदों के अनुकूल आचरण करने से ही होती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफे. बिहारी लाल शर्मा, अध्यक्ष ज्योतिष विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। जिन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि चरित्र का निर्माण हमारे शुद्ध आहार से होता है। क्योंकि आहार से ही मन और बुद्धि का विकास होता है। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कार्यवाहक कुलसचिव प्रोफेसर पी.डी. पंत जी ने किया। साथ ही इस कार्यशाला में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के विभिन्न गण मान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालक डॉ देवेश मिश्र जी ने किया इसअवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक गण, प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कुलसचिव, तथा श्री जगराम जी, श्री जुगल किशोर, डॉ. गगन सिंह, डॉ नीरज कुमार जोशी, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, डॉ. भानु जोशी, डॉ.. सूर्यभानसिंह, डॉ. राकेश रयाल, डॉ. राजेंद्र सिंह क्वीरा, डॉ सुनील कुमार त्रिपाठी, डा. कैलाशचंद्र भट्ट. डॉ प्रमोद कुमार, श्री राजेश आर्या, श्री मोहित रावत, श्री विनीत पौडियाल, श्री विभु काण्डपाल, श्री हरीश गोयल सहित 80 से अधिक प्रतिभागी मौजूद रहे।

"राष्ट्रीय चेतना के शैक्षिक आधार" विषयक एकदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रिय संगोष्ठी

दिनांक 18 जनवरी 2022 को ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "राष्ट्रीय चेतना के शैक्षिक आधार"विषयक एकदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर रेनू प्रकाश ने किया। संगोष्ठी का विषयोपस्थापन संगोष्ठी के संयोजक एवं ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी,(अध्यक्ष, उत्तरप्रदेश उच्च शिक्षा परिषद् एवं पूर्व कुलपति BHU) रहे। उन्होंने

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य चरित्र निर्माण करना बतलाया। प्रोफ़ेसर त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय चेतना जाग्रत न हो तो राष्ट्र की भी अभिवृद्धि नहीं हो सकती। मुख्य वक्ता डॉ. शिव कुमार, अखिल भारतीय राष्ट्रीय मन्त्री, विद्या भारती ने कहा कि शिक्षा व्यक्तित्त्व का निर्माण करती है। गर्भ में ही शिशु में चेतना जागृत हो जाती है और चेतना के अनुरूप ही मानव की अभिव्यक्ति भी होती है। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय चेतना में शिक्षा की क्या भूमिका है इस पर विस्तार से अपनी बात रखी।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र के विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर जंगबहादुर पाण्डेय ने कहा कि मनुष्य की मूलभूत चार आवश्यकता है – भोजन, वस्त्र, आवास एवं शिक्षा। शिक्षा से मानव का समग्र विकास होता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय,ने कहा कि सही शिक्षा मिलने से ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। शिक्षा के बिना राष्ट्रीय चेतना की कल्पना नहीं हो सकती। तकनीकी सत्र के अध्यक्ष प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने कहा कि राष्ट्रिय चेतना राष्ट्र के समग्र विकास का मूलाधार होता है। संचालन डॉ. सुनील त्रिपाठी एवं डॉ. प्रज्ञा दूबे ने किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न 15 राज्यों से लगभग 200 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया तथा लगभग 100 प्रतिभागी ऑनलाइन Zoom app से जुड़े रहे। इस अवसर पर ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, मानविकी विद्याशाखा के निदेशिका प्रोफेसर रेनू प्रकाश एवं अन्य विभागीय अध्यापकों में डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. कैलाश चन्द्र भट्ट, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. नीरज कुमार जोशी, श्री विभु काण्डपाल, श्री हरीश गोयल, श्री राजेश आर्या आदि उपस्थित रहे।

सामाजिक सरोकार

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिया गांव बसानी में कार्यक्रम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव बसानी में क्षेत्र की प्रमुख सामाजिक संस्था दिव्यांग कल्याण समिति हल्द्वानी के सौजन्य से 9 जनवरी 2022 को सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी में सेवा कैम्प आयोजित कर निर्धन लोगों को गरम कम्बल व चप्पलें प्रदान की गईं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बसानी गांव के नोडल अधिकारी राजेन्द्र सिंह क्वीरा द्वारा दिव्यांग समिति के माध्यम से बसानी में सेवा कैम्प लगाकर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गरीब, असहाय, निर्धन लोगों को कम्बल व कई लोगों को चप्पलें भी बांटी। साथ ही उन्होंने भविष्य में सेवा कैम्प आयोजित कर गांव के लोगों के लिए और अधिक सेवा कार्य करने का आश्वाशन दिया। कार्यक्रम में दिव्यांग कल्याण संस्था के पदाधिकारी व ग्राम प्रधान बसानी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। यह कार्यक्रम कोविड महामारी के बचाव नियमों को ध्यान में रख कर आयोजित किया गया।

संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाईन कार्यशाला (स्नातक स्तर)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा स्नातक स्तर के छात्रों के लिए एक ऑनलाईन/वर्चुअल कार्यशाला(जूम ऐप के माध्यम से) का आयोजन दिनांक 14 मार्च से 16 मार्च 2022 तक किया गया। कार्यशाला में कुल 09 व्याख्यान हुए। कार्यशाला में लगभग 30 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कुल 9 विषय विशेषज्ञों (03 बाह्य एवं 06 आन्तरिक) ने व्याख्यान दिए। बाह्य विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. डॉ. निर्मला जोशी, डॉ. विजय कृष्ण , डॉ. शुभांकर डे ने अपने व्याख्यान दिए। संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाईन कार्यशाला (स्नातकोत्तर स्तर)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए एक ऑनलाईन/वर्चुअल कार्यशाला(जूम ऐप के माध्यम से) का आयोजन दिनांक 20 मार्च से 23 मार्च 2022 तक किया गया। कार्यशाला में कुल 10 व्याख्यान हुए। कार्यशाला में लगभग 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कुल 10 विषय विशेषज्ञों (05 बाह्य एवं 05 आन्तरिक)ने व्याख्यान दिए। बाह्य विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. राजेश केलकर- विभागाध्यक्ष- गायन संगीत एवं डीन-फैकल्टी ऑफ परफोरमिंग आर्ट्स- द महाराजा सयाजीराओ विश्वविद्यालय- बड़ौदा, डॉ. मल्लिका बैनर्जी- संगीत विभाग- इग्नू- दिल्ली, डॉ. विजय कृष्ण- पूर्व विभागाध्यक्ष- संगीत विभाग- डी0एस0बी0 कैम्पस- कुमाऊँ विश्वविद्यालय- नैनीताल, पं0 देवाशीष डे- संगीत कलाकार एवं शिक्षक- वाराणसी- उ0प्र0, आस्था-प्रदीप चोपडा (ध्रुपद युगल गायक- पद्मश्री गुंदेचा बंधुओं के शिष्य) ने अपने व्याख्यान दिए। सभी कार्यशालाओं में आन्तरिक विषय विशेषज्ञों के रूप में श्री द्विजेश उपाध्याय, श्री जगमोहन परगांई, श्री अशोक चन्द्र टम्टा एवं श्री प्रकाश चन्द्र आर्य ने अपने व्याख्यान दिए।

"सशस्त्र सेनाओं का शौर्य- वीरगाथा" विषय पर एक वेबीनार का आयोजन

दिनांक 26 जनवरी 2022 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के लोक प्रशासनविभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विद्याशाखा के संयुक्त तत्वाधान में "सशस्त्र सेनाओं का शौर्य- वीरगाथा" विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार की अध्यक्षता प्रोफे. आर सी मिश्रा (निदेशक प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य, स्वास्थ्य विज्ञान एवं पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन विद्याशाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय) द्वारा की गई जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. हरवंशदीक्षित (सदस्य उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग, प्रयागराज) एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर अजय रावत (पूर्वविभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय) रहे। आयोजन के संयोजक प्रोफेसर ए के नवीन (निदेशक विधि विद्या शाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय) एवं सहसंयोजक डॉ. सूर्यभान सिंह रहे। वेबीनार का संचालन डॉ. घनश्याम जोशी (असिस्टेंट प्रोफेसर लोक शासनविभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय) द्वारा किया गया वेबीनार की आयोजन समिति में श्री शुभांकर शुक्ला, श्री सुमित सिंह, श्री मोद कुमार चन्याल, डॉ. सुनील त्रिपाठी, डॉ लता जोशी, सुश्री आरुषि, व सुश्री मेघा बृजवाल सम्मिलित रहे।

डॉ. दीपांकुर जोशी द्वारा अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए वीर शहीदों को याद व नमन किया गया. डॉ. सूर्यभान सिंह ने कहा कि आज़ाद हिन्द फ़ौज से लेकर वर्तमान तक भारत – पाक और चीन सीमा पर देश की सरहदों की रक्षा करने वाले वीरो की विभिन्न गाथाओं का प्रणयन किया गया है। वेबीनार के मुख्य अतिथि डॉ हरवंश दीक्षित ने अपने भाषण में वीरगाथा दिवस आयोजित करने के उद्देश्यों का विस्तार से वर्णन करते हुए सशस्त्र सेनाओं के योगदान को याद करते हुए बारम्बार कृतज्ञता ज्ञापित की।

वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफे. अजय रावत ने इम्फाल मेमोरियल का ज़िक्र करते हुए शहीदों को याद किया। साथ ही उन्होंने भारतीय सेना में भारतीय इतिहास के नायक सुभाष चन्द्र बोस से लेकर उत्तराखंड के सैनिकों के इतिहास का विस्तार से वर्णन करते हुए सशस्त्र सेनाओं के शौर्य का वर्णन किया। वेबीनार के अध्यक्षीय भाषण में प्रोफे. आर.सी मिश्रा ने अशफाक उल्लाह खान और रामप्रसाद बिस्मल का उदाहरण देते हुए सोशियल इंजीनयरिंग और आर्थिक इंजीनयरिंग पर बल दिया। प्रोफे. ए.के. नवीन ने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

"विज्ञानसर्वत्रपूज्यते" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार

One day national Webinar under the theme "Vigyan Sarvatra Pujyate" on the occasion of "National Science Day, was organised by School of Sciences on February 28, 2022". Prof. P.D. Pant, Director, School of Sciences, welcomed all the renowned speakers, faculty members and the participants. After that Dr Arvind Bhatt gave a brief introduction of the webinar.

Keynote speaker Dr. M. C. Dathan started his talk. He started his talk by recalling his childhood days and explained how science and technology has evolved in India and changed the living and outlook of the society. He also threw light on Technology vision-2020 inspired by Dr. A.P.J. Abdul Kalam. When it comes to ethics in science he said, scientific advancements should happen for the At the end of his talk he said, we should feel proud of being Indian and try to make our country proud.

Technical Session-Mathematics

In Session-II: Technical Session-I, Prof. C.S. Rajan, Department of Mathematics, Tata Institute of Fundamental Research (TIFR), Mumbai delivered his talk on the importance of Mathematics. He explained the reliability and exactness of mathematics using various examples.

Prof C.S. Rajan also discussed different techniques to understand mathematics effectively. The first one is the involvement in the subject, which requires hard work and effort.

Technical Session- Chemical Science

In Session-II: Technical Session-I Prof. M.S. M. Rawat HNB Central University, Srinagar, (Consultant Higher Education Uttarakhand state)delivered his talk on the topic "general talk about science and innovation". In his lecture, he basically highlighted why we celebrating National Science day. They say the 21st century is the century of science and technology.

Today, we do almost all our work with the help of science and technology. In modern times, the clean growth of a country cannot be imagined without science and technology.

In Session-II: Technical Session-I, Dr. Renu Pandey, Principal Scientist, Division of Plant Physiology, ICAR-IARI, Pusa Campus, New Delhi delivered her talk on the topic "Physiological mechanisms in plants for improved nutrient uptake". Dr. Pandey also gave the causes of deficiency of nutrients in the soil. According to her the major reasons behind the nutrient low soil are: inherently of low amount of nutrients, low mobility of nutrient in the soil deficient in moisture and poor solubility of given chemical forms of the nutrients.

Technical Session- Earth Science

In Session-II: Technical Session-I, Prof. Bahadur Singh Kotlia, Department of Geology, Kumaun University, NainitalUttarakhand delivered his talk on the topic "Climate change in the Indian Himalaya during the last 5,000 Years: Impact on civilization".

Prof. B.S. Kotlia discussed climate changes occurring in the Indian Himalaya during the last 5,000 years. He also beautifully explained the impact of climate change on civilization. In his lecture he discussed the study of ancient lakes and trees and research on modern lakes and caves. He also talked about the study of precipitation and vegetation and also the composition of the basics of stable isotopes.

Technical Session- Physical Science

In Session-II: Technical Session-I, Dr. Devendra Kumar Ojha, Professor, Department of Astronomy & Astrophysics, Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai delivered his talk on the topic "Space Science Exploration Using Ballons as Suborbital Platforms (Near Earth and Space Science Using Ballon Platforms)".

Valedictory Session

In the valedictory session, all the speakers and participants have delivered their concluding remarks and Dr. Arvind Bhatt summed up the activities of the webinar. Prof. P.D. Pant shared his gratitude to all the renowned speakers and the participants.

Presidential address was delivered by Prof. O.P.S. Negi, Hon'ble Vice Chancellor; Uttarakhand Open University. He thanked all the speakers, faculty members and participants for making the webinar successful. At the end, Dr. S.N. Ojha, ProgrammeCoordintor, delivered vote of thanks to all the dignitaries, Vice Chancellor, Director (School of Sciences), Organizing Secretary, faculty members, supporting staff and all the participants.

कार्यशालाएं – योग विभाग

1. दिनांक 25/02/2022 से 01/03/2022 तक की कार्यशाला हेतु टेलीग्राम ग्रुप का निर्माण कर सम्बंधित सभी विद्यार्थियों को ग्रुप में जोड़ा गया तथा कार्यशाला प्रारंभ होने से पूर्व सभी विद्यार्थियों को कार्यशाला वप्रयोगात्मक परीक्षा से संबंधित सूचना दी गयी |

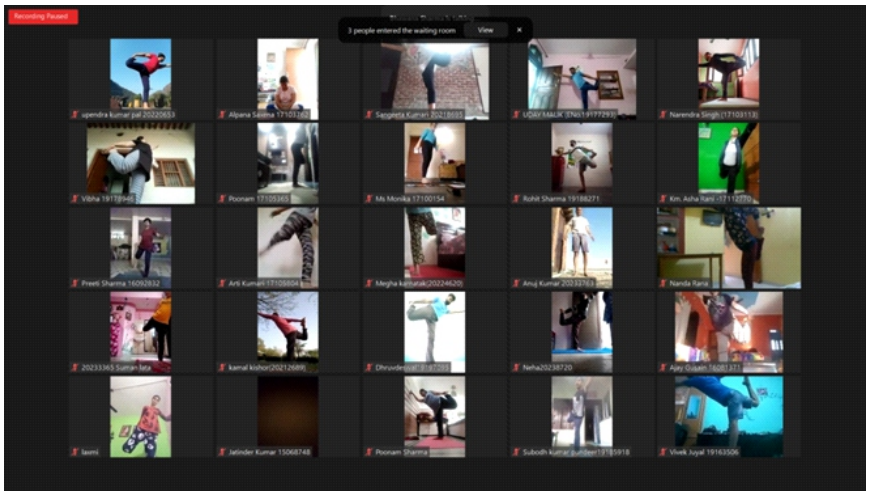

2. कार्यशाला के सफलतापूर्वक संपादन हेतु सम्बंधित लगभग 600 विद्यार्थियों व अध्ययन केन्द्रों को ईमेल व टेलीफोन के माध्यम से कार्यशाला की विस्तृत सूचना दी गयी |

3. कार्यशाला में संबंधित योग विशेषज्ञों की सूची तैयार कर उनसे टेलीफोन के माध्यम से नियमित सूचना दी गयी।

4. दिनांक 25/02/2022 से 01/03/2022 तक एम॰ ए॰ योग प्रथम वर्ष (बैक), बी.ए. प्रथम वर्ष (मुख्य तथा बैक),बी.ए. द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) की ऑनलाइन कार्यशाला का ज़ूम एप के माध्यम से सफल संचालन किया गया जिसमें विद्यार्थियों के प्रश्नोत्तर संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया।

5. 02/03/2022 से 04/03/2022 तक एम॰ ए॰ योग प्रथम वर्ष (बैक), बी.ए. प्रथम वर्ष (मुख्य तथा बैक),बी.ए. द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न करायी गयी।

6. कार्यशालाओं से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का टेलीग्राम के माध्यम से व टेलीफोन के माध्यम से निरंतर निराकरण किया गया।

7.योग विभाग की ग्रीष्मकालीन सत्र 2020 के एम०ए० योग प्रथम वर्ष (बैक), स्नातक प्रथम व द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) के विद्यार्थियोंके लिए दिनांक 25 फ़रवरी से 01 मार्च 2022 तक 05 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ज़ूम एप के माध्यम से किया गया।

8. दिनांक 25 फ़रवरी से 01 मार्च 2022 तक आयोजित 05 दिवसीय कार्यशाला के अभिन्न अंग के रूप में दिनांक 02/03/2022 को प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।

9. योग विभाग के शीतकालीन सत्र फरवरी 2021 के एम०ए० योग प्रथम वर्ष (बैक), एम०ए०योग द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक), एम०ए० योग द्वितीय सेमेस्टर सत्र सितम्बर (मुख्य तथा बैक), बी०ए० योग प्रथम वर्ष (मुख्य तथा बैक) , बी०ए० योग द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक), बी०ए० योग तृतीय वर्ष (मुख्य तथा बैक), योग विज्ञान में डिप्लोमा (मुख्य तथा बैक) के विद्यार्थियों के 10 दिवसीय कार्यशाला का दिनांक 13/03/2022 से 22/03/2022 तक ज़ूम एप के माध्यम से सफल संचालन किया गया।

10. 10 दिवसीय कार्यशाला के पश्चात दिनांक 23/03/2022 से 26/03/2022 तक एम०ए० योग प्रथम वर्ष (बैक), एम०ए०योग द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक), एम०ए० योग द्वितीय सेमेस्टर सत्र सितम्बर (मुख्य तथा बैक), बी०ए० योग प्रथम वर्ष (मुख्य तथा बैक), बी०ए० योग द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक), बी०ए० योग तृतीय वर्ष (मुख्य तथा बैक), योग विज्ञान में डिप्लोमा (मुख्य तथा बैक) के विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से ऑनलाइन मोड पर संपन्न करायी गयीगृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 7-9 मार्च 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न कराई गई।

गृह विज्ञान विभाग - प्रयोगात्मक परीक्षायें

गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 7-9 मार्च 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। विभाग द्वारा 10-11 मार्च 2022 को बी0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रयोगात्मक परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

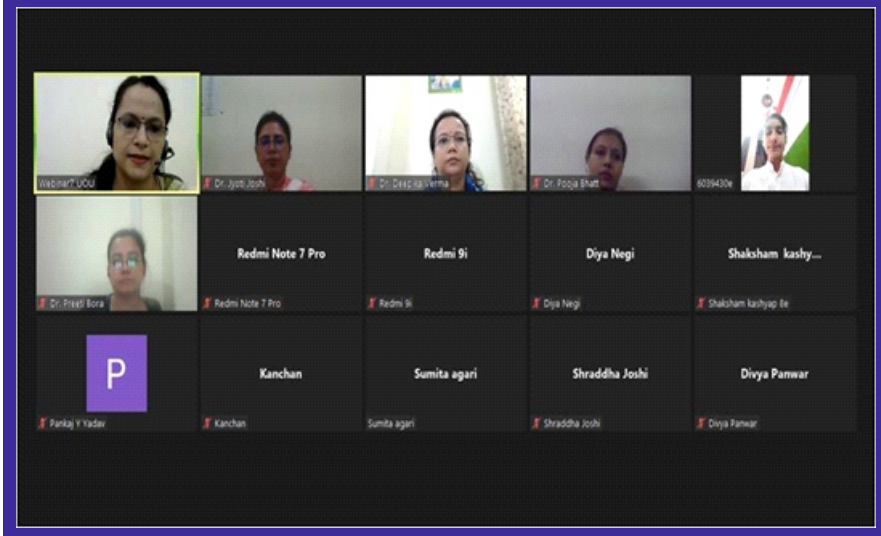

विभाग द्वारा 22-23 मार्च को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

इन सभी आयोजित प्रयोगात्मक परीक्षाओं में गृहविज्ञान विभाग के सभी शिक्षक – डॉ. प्रीति बोरा, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. मोनिका द्विवेदी, डॉ. ज्योति जोशी एवं डॉ.पूजा भट्ट – सम्मिलित रहे।

रज़ा शिखर का तीन दिवसीय आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के हिंदी विभाग एवं रज़ा न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सैयद हैदर रज़ा के जन्मशती समारोह के अवसर पर उनके चित्रों की प्रदर्शनी एवं विविध कार्यक्रम 'हल्द्वानी प्रसंग' एवं 'नैनीताल प्रसंग' के रूप में तीन-दिवसीय आयोजन क्रमशः 11-12-13 अप्रैल 2022 एवं 14-15-16 अप्रैल 2022 को संपन्न हुए।

हल्द्वानी प्रसंग के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. गिरिजा पांडे ने कहा कि सामाजिक चेतना के उन्नयन के लिए रज़ा के चित्र महत्वपूर्ण हैं। रज़ा के चित्रों में आध्यात्मिक परम्परा और उर्जा के संस्रोतों की तलाश उन्हें विशिष्ट बनाती है। रज़ा ने अपने चित्रों में जीवन के रंग को उसकी आध्यात्मिकता एवं दार्शनिकता के सवालों के दायरे में सोचा है। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो. एच.पी.शुक्ल ने रज़ा के चित्रों को समझने के लिए जाग्रत कल्पनाशीलता की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि रज़ा ने शून्य की अनंत आकृतियों को रचा है। रज़ा के चित्रों में तत्वमीमांसा की अभिव्यक्ति सौन्दर्यमीमांसा के साथ हुई है। स्वागत एवं विषय-प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि बड़ा कलाकार कलाओं का अर्थ बदल देता है। कार्यक्रम का सञ्चालन कुमार मंगलम ने किया। उन्होंने रज़ा साहब का परिचय देते हुए कहा कि चित्र माध्यम की दृष्टि सूक्ष्म और स्थूल के बीच की चीज है जो विविधताओं को मूर्त और अमूर्त रूप में अभिव्यक्त करता है। इस अवसर पर हिंदी, उर्दू, संस्कृत, कुमाउनी, अवधी और अंग्रेजी की कविताएँ पढ़ी गयीं।

इस अवसर पर हिंदी के चर्चित कवि शैलेय, कुमाउनी के जगदीश जोशी के अतिरिक्त डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, अनिल कार्की, कुमार मंगलम, नागेन्द्र गंगोला, संदीप तिवारी, डॉ. सुचित्रा अवस्थी, दिव्या, द्विजेश उपाध्याय, नरेंद्र बंगारी, शुभंकर शुक्ल, प्रीती शर्मा, शहपर शरीफ, प्रज्ञा पाठक, नीता, गोपाल, मो. अफ़ज़ल ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

रज़ा शिखर के नैनीताल प्रसंग का उद्घाटन सुप्रसिद्ध छायाकार पद्मश्री अनूप शाह ने किया। उन्होंने कहा कि रज़ा की मौलिकता ही रज़ा को विश्व-प्रसिद्ध कलाकार बनाती है। एक ही दृश्य को एक ही विषय को एक ही रंग को बड़ा कलाकार अपनी मौलिक दृष्टि से देखता है। चित्रों में अथवा छायाचित्रों में क्षण सबसे महत्वपूर्ण होता है। हर कलाकार की अपनी मौलिक दृष्टि होती है, जिसके पीछे उसका अपना एक जीवन-संघर्ष निहित होता है।

स्वागत एवं विषय-प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के सचिव युवा कवि कुमार मंगलम ने कहा कि रज़ा के चित्र अपने आरम्भ में भौतिकता के साथ शुरू होकर मनुष्य के दार्शनिक-आध्यात्मिक चेतना तक आती है।

कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अनिल कार्की और धन्यवाद ज्ञापन सुश्री दिव्या ने किया। नैनीताल प्रसंग का अगला दिन काव्य-पाठ के नाम रहा। इस सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध रंगकर्मी जहूर आलम ने किया। उन्होंने अपनी कई चर्चित ग़ज़लों का पाठ किया। काव्य-पाठ का आरम्भ सुप्रसिद्ध जनकवि 'गिर्दा' के जन-गीतों से हुआ। युवा कवि पंकज भट्ट, वरिष्ठ रंगकर्मी और उत्तर संस्था के संयोजक श्री एच.एस. राणा, वरिष्ठ पत्रकार और गिर्दा के साथी श्री महेश जोशी एवं युवा-कवि, कहानीकार और लोक-मर्मज्ञ डॉ. अनिल कार्की ने गिर्दा के जनगीत प्रस्तुर किए। श्री राजेश आर्य, मीनाक्षी पाठक, पंकज भट्ट, दीपा पाण्डेय, दिव्या तंवर, युवा कवि खेमकरण सोमन, युवा-कवि कहानीकार डॉ. अनिल कार्की, एच.एस. राणा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, हिंदी के चर्चित कवि शैलेय, हिंदी के सुपरिचित कवि डॉ. सिद्धेश्वर सिंह ने अपनी कविताओं का पाठ किया। इस अवसर पर डॉ. ममता ने कहा कि चित्रों की समझ को लेकर सबसे बड़ी बाधा हमारी शिक्षा व्यवस्था है। हमारी शिक्षा व्यवस्था रचनात्मकता को कम तरजीह देती है। कलाएँ आत्माभिव्यक्ति का सबसे बेहतरीन माध्यम है। मनुष्य स्वभावतः कलाओं के लिए बना है। विद्यालय छात्रों को रचनात्मक नहीं बना रहा है। सैयद हैदर रज़ा के चित्रों को समझने में होने वाली कठिनाई को इन परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाना चाहिए।

वरिष्ठ कवि डॉ. सिद्धेश्वर सिंह ने अपनी टिप्पणी में कहा कि औपचारिक शिक्षा हमें कलाओं से दूर कर रही है। कविता भी अंततः प्रस्तुत कला-माध्यम ही है। रज़ा शिखर के नैनीताल प्रसंग का सांगीतिक समापन 'सुर सप्तक' के आयोजन से हुआ। समापन-सत्र के इस कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत के इमदाद-खानी घराना के युवा सितार-वादक श्री प्रदीप कुमार ने सितार पर राग पटदीप की प्रस्तुति दी। श्री प्रदीप ने अपनी प्रस्तुति का समापन सुप्रिसिद्ध धुन से किया। श्री प्रदीप कुमार के साथ तबले पर संगत अजराड़ा घराने के युवा तबला वादक श्री प्रकाशचन्द्र आर्या ने किया। इस अवसर पर नैनीताल की विधायक माननीया सरिता आर्या भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि रज़ा के चित्रों में निहित आध्यात्मिकता इन्हें भारतीय आत्मा को समझने वाला चित्रकार बनाता है। इसी आयोजन के साथ रज़ा शिखर का यह षष्ठ दिवसीय आयोजन का समापन हुआ।

परीक्षा

1. शीतकालीन सत्र (दिसम्बर - 2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएं दिनांक 23 मार्च 2022 से 30 अप्रैल 2022 तक प्रदेश के 52 परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक सम्पन्न हो चुकी है।
2. परीक्षाओं की गोपनीय सामाग्री वि0वि0 लाने एवं औचक निरीक्षण कार्य हेतु दिनांक 03 अप्रैल से 10 अप्रैल 2022 तक वि0वि0 स्तर से 02-3 सदस्यों की 17 टीमें व पर्यवेक्षक टीम परीक्षा केन्द्रों में भेजी गई।
3. परीक्षा केन्द्रों से परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं वि0वि0 लाने हेतु 2-2 सदस्यों की 12 टीमें परीक्षा केन्द्रों में भेजी गई थी जिनके द्वारा अन्तिम परीक्षा दिवस तक की उत्तरपुस्तिकाएं 03 मई 2022 तक वि0वि0 लायी जा चुकी है। उत्तरपुस्तिकाओं की विषयवार छठनी व मूल्यांकन का कार्य गतिमान है।
4. दिनांक 10 मई 2022 से 13 मई 2022 से पीएच0डी0 कोर्स वर्क की परीक्षा दो परीक्षा केन्द्र हल्द्वानी मुख्यालय व देहरादून परिसर में आयोजित की जा रही है जिसमें कुल 36 परीक्षार्थी पंजीकृत है। परीक्षा का कार्यक्रम व प्रवेश पत्र वि0वि0 की वैबसाइट में जारी किया जा चुका है।
5. दिनांक 15 मई 2022 को पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा दो परीक्षा केन्द्र एम0बी0पी0जी0का, हल्द्वानी व श्री गुरू राम राय पी0जी0का, देहरादून आयोजित की जा रही है। जिसमें कुल 679 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा की सूचना व प्रवेश पत्र वि0वि0 की वैबसाइट में जारी किया जा चुका है।
6. आगामी शीतकालीन सत्र (दिसम्बर-2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित प्रयोगात्मक परीक्षा /मौखिक परीक्षा आयोजित कराई जा रही है।
7. अप्रैल माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 280 मूल उपाधियाँ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा परामर्श सत्रों का आयोजन

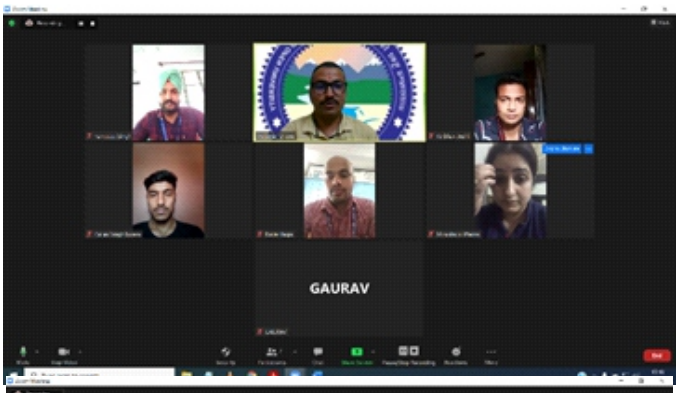

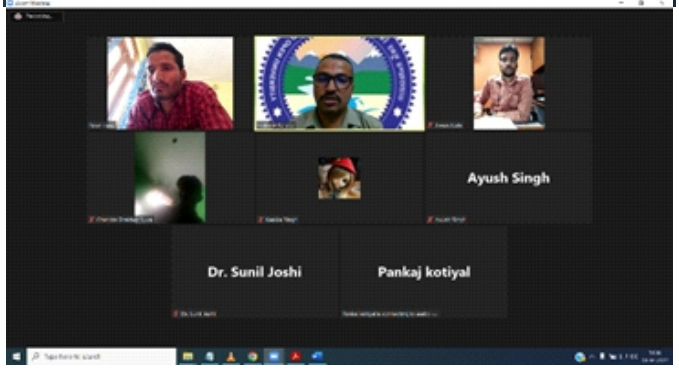

1. सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (डिजिटल मार्केटिंग एवं मैनेजमेंट) के विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र का आयोजन दिनाँक 07/ 04/ 2022 (10:30 AM - 12:30 PM) को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स एवं सोशल मीडिया ऍप्लिकेशन्स की बारीकियों से अवगत कराया गया।

2. सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (डिजिटल मार्केटिंग एवं मैनेजमेंट), सर्टिफिकेट इन कम्युनिटी रेडियो टेक्नोलॉजी, एवं सर्टिफिकेट इन डाटा साइंस एंड ऍप्लिकेशन्स (सत्र जनवरी 2022) के विद्यार्थियों के लिए विशेष परामर्श (Induction Program) सत्र का आयोजन दिनाँक 08/ 04/ 2022 (10:30 PM - 12:30 PM) को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस सत्र में कोर्स का संक्षिप्त विवरण व इसकी उपयोगिता पर विद्यार्थियों से चर्चा की गयी।

3. सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (सॉफ्ट स्किल एवं ई- ऑफिस मैनेजमेंट), सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (टेक्नोलॉजी इनेबल्ड एजुकेशन)में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए विशेष परामर्श (Induction Program) सत्र का आयोजन दिनाँक 08/ 04/ 2022 (02:00 PM - 04:00 PM) को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस सत्र में कोर्स का संक्षिप्त विवरण व इसकी उपयोगिता पर विद्यार्थियों से चर्चा की गयी।

4. व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा दो अलग - अलग कार्यशालाओं के आयोजन हेतु परियोजना प्रस्ताव AICTE (अटल अकादमी) को प्रेषित किये गए हैं। प्रस्ताव स्वीकृति की दशा में सम्बंधित कार्यशालाओं के आयोजन के लिए AICTE (अटल अकादमी) द्वारा रुपया 06 लाख (अनुमानित) की धनराशि विश्वविद्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी।

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो. ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। माननीय कुलपति ने परीक्षार्थियों को निष्ठा और सत्यता से परीक्षा हेतु प्रेरित किया। तथा सभी परीक्षा केन्द्रों समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु आश्वासन भी दिया।

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस, 2022

8,मार्च,2022 को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. ओ.पी.एस. नेगी ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. गंगोत्री त्रिपाठी, पूर्व संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा ने प्रतिभाग किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़कर काम करना चाहिए। समाज में व्याप्त विकृतियों के विषय में सजग किया। कन्या भ्रूणहत्या जैसी कुरीतियों के विषय को दूर करने जैसे प्रयासों में स्वयं की भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया ।

विश्वविद्यालय की वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल ने अपनी कविता के माध्यम से महिलाओं के प्रति स्वयं की सम्वेदनाओं को प्रकट किया । इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय की दो महिला कार्मिकों - श्रीमती कमला राठौर, परीक्षा विभाग तथा श्रीमती रंजना जोशी, प्रवेश विभाग को उनके द्वारा विश्वविद्यालय में किए गए उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संगोष्ठी की समन्वयक प्रो. रेनू प्रकाश, निदेशक मानविकी विद्याशाखा, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरसी मिश्र, प्रभारी कुलसचिव प्रोफेसर पी.डी. पंत ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति रानी द्वारा किया गया। तकनीकी सत्रों का संचालन प्रो. ए.के नवीन व प्रो. पी.डी. पंत द्वारा किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के नवीन, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार, डॉ. कल्पना लखेड़ा डॉ. राकेश रयाल डॉ. गोपाल गोनिया, डॉ. प्रज्ञा, डॉ आशुतोष भट्ट, मौजूद रहे।

इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर द्वारा भी 'लैंगिक असमानताः कारण, चुनौतियां एवं समाधान' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य नई सोच के साथ लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित करना था। मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता डॉ. रश्मि त्यागी रावत, एसोसिएट प्रोफेसर मनोविज्ञान डी0ए0वी0 पीजी कॉलेज, देहरादून थी। मुख्य वक्ता द्वारा कहा गया कि लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का शिक्षित होना अति आवश्यक है। महिलाओं के शिक्षित होने से महिला सशक्त एवं स्वाविलम्बी होती है। कार्यक्रम में वक्ता नरेन्द्र जगूड़ी ने कहा कि पुरातन धर्म ग्रन्थों में महिलाओं को अग्रणीय माना गया एवं गार्गी व मैत्रीय जैसे वेदपाठी महिलाओं के बारे में बताया गया। परिसर प्रभारी डॉ. सुभाष रमोला द्वारा मुख्य अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को अपने जीवन को जीने की आजादी होनी आवश्यक है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. भावना डोभाल ने महिलाओं को एकजुट होकर नये आयाम तक पहुंचने हेतु निरन्तर प्रयास करने का आवाहन किया।

कार्यक्रम में एफ0सी0आई0 विभाग, मानक ब्यूरो विभाग, एवं यू0सी0एफ0 सदन में कार्यरत महिलाओं व विश्वविद्यालय महिला काउंसलरों ने अपनी सहभागिता दिखाई। कार्यक्रम में रश्मि बहुगुणा डोभाल ने अंग वस्त्र भेंट किया। साथ ही जयनन्दा वेलफेयर सोयायटी की सेविका श्रीमती पूजा खाती द्वारा हस्त निर्मित शॉल मुख्य अतिथि को भेंट की गयी। इस अवसर पर गिरिजा सेमवाल, हर्षिता पाठक, मनस्वती शुक्ला राणा, स्वाती तथा पूनम उनियाल, आदि महिलाओं ने काव्य पाठ एवं भाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में परिसर देहरादून कार्मिक श्री बृजमोहन खाती, अजय सिंह, सुनील नेगी, चेत बहादुर थापा, विक्की थापा, पूरन राणा में अपना विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर लगभग 60 महिला एवं छात्राएँ भी उपस्थित थी।

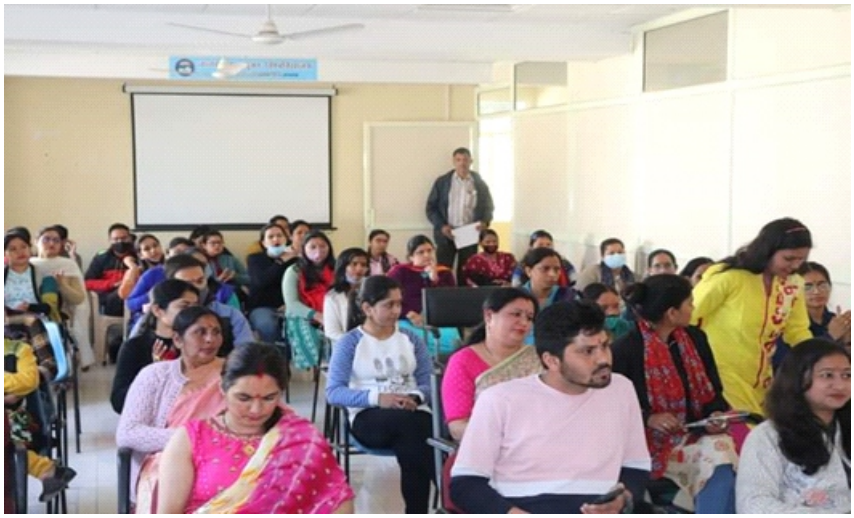

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में स्वास्थ्य चिकित्सा परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य की उचित देखभाल करने संबंधि अनेक जानकारियां दी। साथ ही उन्होंने खान-पान को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों पर भी चर्चा की और अनेक सुझाव दिए । बसानी के सरमाउंट पब्लिक स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ एच एस बिष्ट ने उपस्थित महिलाओं व बच्चों को बीमारियों से बचने के नुस्खे बताए। प्रधानाचार्य वनिता क्वीरा ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

यह कार्यक्रम बसानी की महिला ग्राम प्रधान श्रीमती बिमला तड़ागी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा परामर्श शिविर के संयोजक विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा सहित गांव की लगभग 45 महिलाओं ने भागीदारी की।

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM

TOLL FREE
18001804025

/uoulive
/uoulive

UOU APP GET IT ON Google Play

Hello Haldwani 91.2 FM GET IT ON Google Play

Bundesrepublik Deutschland

Urkunde

über die Eintragung des
Gebrauchsmusters Nr. 20 2021 106 118

- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science filed the international patent in Germany.
- Dr. Jeetendra Pande attended a radio talk on "Introduction to OERs" on 04 Jan., 2022 organized by Community Radio Station at Uttarakhand Open University.
- Dr. Jeetendra Pande and Dr. Ashutosh Kumar Bhatt attended 3 days works for finalization of UG syllabus under NEP 2020 organized by Kumoun University, Nainital from 06-08 Jan., 2022.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science completed the consultancy for providing the expert support for Research Study on Covid-19 and Distance Learning. The report was submitted to Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi.
- Dr. Jeetendra Pande mentored the participants of 2-week FDP program on "Development of Online Courses for SWAYAM" organized by Dr. B.R.Ambedkar Open University, Hyderabad from 20 Dec., 2021 to 05 Jan., 2022.
- Dr. Manjari Agarwal, Assistant Professor, School of Management Studies and Commerce published paper on 'A Study of Sentiments of Employees during Covid-19, Telecom Business Review, Volume 14 Issue 1, 2021,10-18, Annual journal of Symbiosis Institute of Digital and Telecom Management'.
- डॉ गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य,डॉ. गोपाल दत्त, अकादमिक परामर्शदाता, व्यावसायिक अध्ययन व डॉ. भानु प्रकाश जोशी, सहायक प्राध्यापक, योग द्वारा"Exploring Effectiveness of Online Workshop for ODL Learners: A Case Study of Yoga Programme", शीर्षक शोध प्रकाशित
- Dr. S.N. Ojha, Assistant Prof. Botany attended two days online training workshop on "Tools and Techniques for Springshed Management" organized by National Institute of Hydrology, Western Himalayan Regional Centre, Jammu under National mission on Himalayan studies (NMHS) w.e.f. January 6-7, 2022.
- Dr. S.N. Ojha, Assistant Prof. Botany attended a Webinar on "Microbial Biotechnology for Novel Food and Food Ingredients" New Delhi on January 11, 2022.
- Dr. ParthGautam द्वारा 10-14 जनवरी, 2022 को स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित कार्यशाला (ऑनलाइन मोड) में एक संसाधन व्यक्ति / अतिथि वक्ता के रूप में " online customer service" विषय पर व्याख्यान दिया|
- Research Advisory Committee Meeting was held on 15th and 24th Jan., 2022 Mr. Balam Singh Dafouti attended and presented on 24th Jan., 2022.
- Dr. JeetendraPande attended a radio talk on "Introduction to OERs" on 04 Jan., 2022 organized by Community Radio Station at Uttarakhand Open University.

.

- Dr. JeetendraPande and Dr. Ashutosh Kumar Bhatt attended 3 days works for finalization of UG syllabus under NEP 2020 organized by Kumoun University, Nainital from 06-08 Jan., 2022.
- Shradha Lakhera , Dr. Meenakshi Rana, Dr. Kamal Devlal, Ismail Celik, and RohitashYadav. "A Comprehensive Exploration of Pharmacological Properties, Bioactivities And Inhibitory Potentiality of Luteolin From TridaxProcumbens As Anticancer Drug By In-Silico Approach." Structural Chemistry (January 2021).
- ShradhaLakhera, Kamal Devlal,Arabinda Ghosh, Papia Chowdhury, Meenakshi Rana, Modelling the DFT structural and reactivity study of feverfew and evaluation of its potential antiviral activity against COVID-19 using molecular docking and MD simulations, Chemical Papers (January 2021)
- ShradhaLakhera, Meenakshi Rana, Kamal Devlal, Investigation of nonlinear optical responses of organic derivative of Imidazole: Imidazole–2–carboxaldehyde" International Journal of Materials Research, 2021 (Under Review).
- ShradhaLakhera, Meenakshi Rana, Kamal Devlal, "Investigation of Nonlinear Optical Response of Organic Compound Pyrrolidine-2,5-dione", AIP conference proceedings (2021) (Submitted to the journal).
- दिनांक को उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा अभिनव पहल करने हेतु विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी अध्यापक सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन में माननीय कुलपति जी द्वारा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय उच्च शिक्ष मंत्री डॉ. धन सिंह रावत थे।

- माननीय कुलपति जी द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 2022 को एमआईईटी कुमांउ में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।
- Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor, UOU participated online in NCERT Regional Centre Bhuvaneshwar meeting on 7th March, 2022.

.

विश्वविद्यालय की गतिविधियां

- डॉ. गगन सिंह, सह प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration(ATI) द्वारा Project Formulation विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाल में प्रतिभाग किया गया
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक १० मार्च २०२२ को श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ, गुजरात द्वारा संचालित "निवास एवं व्यावसायिक वास्तु (Vocational Vastu)" विषय में शॉर्ट-टर्म ऑनलाइन पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में"वास्तुलग्न कुण्डली में तन्वादि भावस्थ ग्रहफल विचार" विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक १२ मार्च २०२२ को संस्कृतभारती पंजाब प्रान्त द्वारा आयोजित साप्ताहिकी विशिष्टव्याख्यानमाला के अन्तर्गत मुख्य वक्ता के रूप में"प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्" विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- Dr. Kamal Devlal attended 3 day Training Programme on 'NEP 2020: Changing Role of Teachers in Distance and Online Learning' (Online Mode) 24-26 March, 2022 Organized by Staff Training and Research Institute of Distance Education IGNOU, Maidan Garhi, New Delhi.
- Dr. Gauri completed Three Days Online Training on 'NEP 2020: Changing Role of Teachers in Distance and Online Learning'for Faculty of IGNOU, SOUs, DEIs organized by Staff Training and Research Institute of Distance Education, INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY from24-26 March, 2022.
- Mr. Deep PrakashParticipated five day national workshop on 'quality accreditation NAAC an institutional preparedness which organized by center for internal quality assurance (CIQA) Madhya Pradesh Bhoj (open) university, Bhopal.
- Dr. S.N. Ojha published one research paper (Ojha, S.N., Anand, A., Sundriyal, R.C. and Arya, D. Traditional dietary knowledge of marginal hill community in the central Himalaya: Implications for food, nutrition and medicinal security. Front. Pharmacol. 2022.12:789360. Doi: 10.3389/fphar.2021.789360. IF-5.81(SCI).)
- डॉ. सीता, असिस्टेंट प्रोफेसर ने दिनांक 06.03.2022 कोवर्धमान कॉलेज विजनौर द्वारा Dynamic of domestic violence: Recognizing patterns and voicing help विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में प्रतिभाग व "हिंसा का महिला स्वास्थय पर प्रभाव" शीर्षक पर शोध लेख प्रस्तुत किया और दिनांक 08.03.2022 को Equal Opportunity cell and counseling center, Gurukul Kangri, Haridwar द्वारा "Empowering Equality for sustainable Tomorrow: Opportunity for all"विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में प्रतिभाग किया|
- Dr Pravesh Kumar Sehgal.(28 March 2022) .International Journal of Recent Scientific Research . ISSN: 0976-3031. OUTCOME OF REVERSAL AND HUMIDIFICATION ON THE PREVALENCE OF CHRYSOCORISSTOLLI WOLF, A PROSPECTIVE RELATED FACTOR OF CROTON SPARSIFIFLORUM.Vol. 13, Issue, 03 (A), pp. 484-488. UGC Approved number 49023.
- डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी - सहायक आचार्य द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर अगरतला,ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्टी विषय (ज्योतिषशास्त्रे अनुसन्धान क्षेत्राणि)में दिनांक 31 मार्च को प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय की गतिविधियां

- डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी - सहायक आचार्य द्वारा दिनांक 22 मार्च 2022 को सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में ग्रहलाघव का वैशिष्ट्य विषय पर व्याख्यान दिया।
- Dr. Prabha Dhondiyal, Assistant Professor (AC) attended and participated (online) in the capacity building programme: Blended learning in higher education institutions for teachers working in Telangana and Andhra Pradesh organized by centre for staff training and development (CSTD) Dr. B. R. Ambedkar Open University Hyderabad on March 14 to March 21, 2022 and Attended a national seminar on invasive alien species: an undesirable guest to the natural ecosystem organised by Botanical Survey of India on March 30, 2022.
- Dr. Pushpesh JoshiAssistant Professor (AC) attended a Three Days Online Training Programme on "NEP 2020: Changing Role of Teachers in Distance and Online Learning" for the faculty of IGNOU, SOUs, DEIs from 24th to 26th March, 2022.
- Dr. Mukta Joshi. Asstt. Professor (AC) Attended an Online Capacity Building Programme for Teachers in Higher Education Institutions in Telangana and Andhra Pradesh, Hyderabad on 14th March 2022 to 25th March 2022.
- A reseach paper entitled "Decrypting the Learners' Retention Factors in Massive Open Online Courses" coauthored by Dr. Jeetendra Pande- Associate Professor(Computer Science) is publised in the Journal of Learning for Development .
- Dr. Ashutosh Kumar Bhatt- Associate Professor organized expert lecture Date: 1st April 2022.
- Dr. Ashutosh Kumar Bhatt- Associate Professor delivered an Expert Talk on 1 week Faculty Development Programme on "Current trends and Future Prospects in the Data Science" , Central University of Rajasthan.
- Dr. Ashutosh Kumar Bhatt- Associate Professor hosted the Radio talk with by Dr Anesh Kumar Maharaj, Professor at University of Kwa Zulu-Natal, Durban, South Afrika. Date: 1st April 2022.
- School of Computer Science & IT organised online counselling session on 04,05,11,12,18,19,25 and 26 May 2022.
- A reseach paper entitled "Decrypting the Learners' Retention Factors in Massive Open Online Courses" coauthored by Dr. Jeetendra Pande- Associate Professor(Computer Science) is published.
- दिनांक 30 अप्रैल 2022 को हिमांचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला तथा भारत प्रज्ञा प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार में भारतीय खगोल-शास्त्र एवं पंचांग की प्रमाणिकता विषय पर प्रतिभाग किया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 अप्रैल 2022 को सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय, प्रयागराज एवं ज्ञानभूमि एवं संस्कृत शौर्यम के संयुक्त तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजित "सा विद्या या विमुक्तये" विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. प्रमोद जोशी सहायक आचार्य द्ववारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर अगरतला,ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्टी दिनांक 28 अप्रैल 2022 को प्रतिभाग किया।
- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 20 अप्रैल 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर के लघु शोध कार्य सम्बन्धी एक शोध कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

विश्वविद्यालय की गतिविधियां

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान चतुर्थ सेमेस्ट के लघु शोध प्रबंधों की मौखिक परीक्षा ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गईं।
- डॉ. गोपाल दत्त, अकादमिक परामर्शदाता, व्यावसायिक अध्ययन व गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य, द्वारा "Acceptance and Barriers of Open Educational Resources in the Context of Indian Higher Education", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र प्रकाशित।
- विभाग द्वारा 18 अप्रैल को एम. कॉम. बी. कॉम. व सी. सी. ओ. एम. पाठयक्रम में पंजीकृत छात्रों के लिए Orientation-cum-Induction Programme का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में छात्रों की कई समस्याओं का हल निकाला गया तथा साथ ही उन्हें विश्वविद्यालय से संबन्धित अन्य जानकारी विभाग में कार्यरत शिक्षक डॉ गगन सिंह, श्री सुनील कुमार व डॉ प्रिया महाजन द्वारा दी गई।

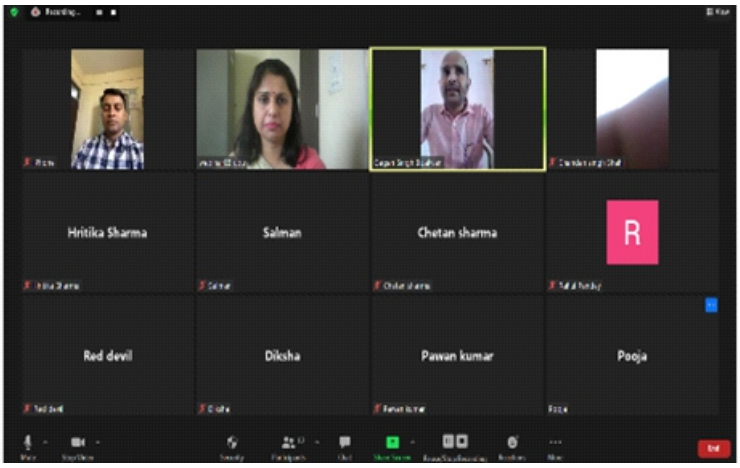

- डॉ. प्रमोद, सहायक आचार्य केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्यपरिसर अगरतला,ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्टी दिनांक 28 अप्रैल 2022 को प्रतिभाग किया।
- डॉ. सुनील त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर ज्योतिष ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय ज्योतिष संगोष्ठी दिनांक 14, 15 अप्रैल में शोधपत्र वाचन किया, शोधपत्र का विषय – ज्योतिष शास्त्र में लोक कल्याण।
- डॉ. सुनील त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर ज्योतिष ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी परिसर, ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी विषय- ज्योतिषशास्त्रे योगविमर्शः पर दिनांक- 20/04/2022 को प्रतिभाग किया।
- डॉ. सुनील त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर ज्योतिष ने दिनांक- 05/04/2022 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, तेलंगाना द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में ऑनलाईन कैपसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के बाद की प्रतिपुष्टि में भाग ग्रहण किया।
- डॉ. नीरज कुमार जोशी, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत ने दिनांक को हिमांचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला तथा भारत प्रज्ञा प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार में भारतीय खगोल-शास्त्र एवं पंचांग की प्रमाणिकता विषय पर प्रतिभाग किया।
- डॉ. प्रीति बोरा द्वारा निम्न इकाई लेखन किया गया Bora, P. 2022. Polyphenols in medicinal plants. Polyphenols in Health and Disease. Darshan Publisher, TN.
- डॉ. ज्योति जोशी एवं डॉ. पूजा भट्ट द्वारा लिखित शोध आलेख , Bhatt, P. and Joshi, J. 2022. Natural Dyes: An Environment Friendly Option. Agrobios. XX(9): 37.
- Bhatt, P. 2022. Revival of Polyurea and Polycarbonate , Fiber Production. Agrobios.
- Joshi, J. and Bhatt, P. 2022. Non conventional fibres of Uttarakhand. Agrobios. XX(१२): ८४.
- डॉ. प्रज्ञा दूबे, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत ने डॉ. बी. आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, तेलंगाना द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में ऑनलाईन कैपसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में प्रतिभाग किया।

- डॉ. रूचि तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर(AC) ने Inpods द्वारा आयोजित FDP कार्यक्रम "Advanced Concepts of Outcomes based- Education" में प्रतिभाग किया। Ebility द्वारा आयोजित कार्यशाला "Managing Challenging Behaviours of Children with ADHD in Classroom setting" 7/4/22 में प्रतिभाग किया, Ebility द्वारा आयोजित कार्यशाला "Developing Math Readiness skill in children with Special Needs" 12/4/22 में प्रतिभाग किया तथा Ebility द्वारा आयोजित कार्यशाला "Developing Arithmetic skills in children with Special Needs" 28/4/22 में प्रतिभाग किया।
- डॉ. विनीता पंत, असिस्टेट प्रोफेसर– A comparative study of Life Satisfaction Among Secondary School Teachers. Langlit, शोध आलेख
- डॉ. भाग्यश्री जोशी, असिस्टेट प्रोफेसर ने श्री रामस्वरुप यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड रिसर्च के तत्वाधान में आयोजित वेबिनार (The Psychology of Happiness and Wellbeing एवं The National professional standards of teaching) में प्रतिभाग किया। पुनः 21/4/22 से 26/4/22 तक को श्री रामस्वरुप यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड रिसर्च के तत्वाधान में आयोजित वेबिनार में प्रतिभाग किया तथा SOMFT तत्वाधान में intellectual property rights विषय में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
- Meenakshi Rana, PoojaYadav, Papia Chowdhury, "DFT investigation of nonlinear optical response of organic compound: Acetylsalicylic acid" International Journal of Materials Research, 2022 (Under Review).
- Shradha Lakhera, Meenakshi Rana, Kamal Devlal, "Theoretical Study on Optoelectronic and Various Quantum Chemical Properties of Essential Amino Acids: A Comparative Study" to Optical and Quantum Electronics (Under Review).
- Dr. Ruchi Pandey Attended seminar on : National Mission For Clean Ganga, MOJS, GOI and APAC News Network are all set to organise 5th edition of monthly webinar series on 'Igniting Young Minds, Rejuvenating Rivers'. Join us on 8th April 2022.

Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय
University Road, Behind Transport Nagar
(Teen Pani Bypass), Haldwani -263139,Uttarakhand
Phone: 05946-286000, Fax : 05946-264232